परिभाषा का अर्थ → परिभाषा किसी भी जानी जा सकने वाली अवधारणा, वस्तु अथवा तत्व के सम्बन्ध में ऐसा कथन है जो इसके अर्थ को कम से कम शब्दों में प्रकट करने का प्रयास करता है।

दूसरे शब्दों में
वाक्य में प्रयुक्त पद, शब्द का अर्थ स्पष्ट करने की प्रक्रिया है। नपा, तुला परिचय जिससे वस्तु, व्यक्ति आदि का स्वरूप गुण आदि को जाना जा सके।

परिभाषा की परिभाषा → "किसी भी विषय वस्तु या चीज का संक्षिप्त एवं तार्किक वर्णन है जो वस्तुओं के मूलभूत विशिष्ट गुण या संकल्पनाओं के अर्थ अन्तर्वस्तु और सीमाएं बताता है।"

(2) "किसी शब्द या वाक्यांश या संकेत की व्याख्या करने वाले गद्यांश को भी परिभाषा कहते हैं।"

परिभाषा के नियम → अन्य अवधारणाओं की तरह ही परिभाषा की अवधारणा भी अपने आप में एक विशिष्ट स्थान रखती है अतः हम कह सकते हैं कि परिभाषा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा हम एक विस्तृत गद्यांश को कम शब्दों में व्यक्त कर अपने भावों को सरलता से स्पष्ट कर पाते हैं परिभाषा के कुछ नियम इस प्रकार हैं —।

(1) भाषा मुहावरेदार नहीं होनी चाहिए → परिभाषा का सर्वप्रथम नियम यही है कि भाषा सरल हो जिससे वह

Scanned with CamScanner

पाठक को सरलता से समझ आ सके लेखक को परिभाषा में मुहावरों का प्रयोग नहीं करना चाहिए कभी-कभी मुहावरे के अर्थ को समझने में पाठक को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वह सरलता से समझ में भी नहीं आ पाती।

(2) कठिन शब्दों से बचाव ⇒ परिभाषा में ऐसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए जो समझ में न आ सके अतः सुस्पष्ट शब्दों का प्रयोग ही परिभाषाओं में करना चाहिए कठिन शब्दों का तात्पर्य ही ऐसे शब्दों से होता है जो आसानी से समझ में नहीं आते हैं अतः ऐसे शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए।

(3) समासिक शैली का प्रयोग ⇒ परिभाषाओं को आकर्षक बनाने के लिए भी समासिक शैली का प्रयोग किया जा सकता है तथा समासिक विच्छेद के द्वारा शब्दों के अर्थ आसानी से समझ भी जाते हैं तथा वे लम्बे समय तक याद भी रहते हैं जैसे-: अनुसन्धान शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है जो Re + Search अर्थात Research.

इस प्रकार से हम समासिक शैली के प्रयोग के द्वारा हम परिभाषा को परिभाषित भी कर सकते हैं।

(4) स्पष्टवादी होनी चाहिए ⇒ परिभाषा स्पष्ट होनी चाहिए जिसको पढ़ने से ही उसे आसानी से समझा जा सके और उसके अर्थ को जानना भी आसान हो उस

Scanned with CamScanner

प्रकार से स्पष्टतादेता भी परिभाषा का एक मुख्य नियम है।

5. **विषयानुकूल** → परिभाषा को विषयानुकूल होना चाहिए परिभाषा ऐसी होनी चाहिए जो अपने विषय से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करती हो जो विषय के विपरीत न हो इस प्रकार विषयानुकूल भी परिभाषा का एक नियम है।

6. **निश्चित सिद्धांत** → प्रत्येक परिभाषा से सम्बन्धित कुछ सिद्धांत होते हैं अतः हमें परिभाषा का निर्माण करते समय उन आवश्यक सिद्धांतों को ध्यान में रखकर ही परिभाषा का प्रतिपादन करना चाहिए यदि हम किसी परिभाषा का निर्माण उन सिद्धांतों के विरुद्ध करते हैं तो वह परिभाषा अमान्य हो सकती है।

7. **निश्चित नियम** → परिभाषा के कुछ नियम होते हैं अतः इन नियमों को ध्यान में रखते हुये ही परिभाषा का निर्माण करना चाहिए अतः इन नियमों के बाहर किसी भी परिभाषा का प्रतिपादन करना व्यर्थ ही है।

निष्कर्ष → उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि परिभाषा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा किसी भी अवधारणा को कम से कम शब्दों में सरल रूप में व्यक्त किया जाता है।

Scanned with CamScanner